रिकॉर्ड नोट्स/सार

"विषय आधारित स्वास्थ्य संबंधी वार्तालाप" के क्रम में दिनांक 12 जुलाई, 2018 को सांय 04:00 बजे स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के रिसोर्स सेंटर में **'तंबाकू नियंत्रण'** विषय पर एक संवादमूलक सत्र का आयोजन किया गया।

इस सत्र में निम्नलिखित अतिथि विशेषज्ञों ने प्रस्तुति दी:

i. डॉ. एल. स्वास्थिचरण, सीएमओ (एलएस) (एनएफएसजी), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
ii. डॉ. जे.सी. सूरी, प्रोफेसर, श्वसन औषधि विभाग, सफ़दरजंग अस्पताल
iii. श्री प्रवीण सिन्हा, राष्ट्रीय परामर्शदाता, टीएफआई, डब्ल्यूएचओ-इंडिया

2. डॉ. तनु जैन, सहायक महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय तथा जागरुकता कार्यक्रम की नोडल अधिकारी ने सत्र का संचालन और समन्वय किया। उन्होंने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए अतिथि वक्ताओं का परिचय कराया।

3. तत्पश्चात्, डॉ. एल. स्वास्थिचरण, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने भारत में, विशेषकर युवाओं और किशोर-किशोरियों में तंबाकू इस्तेमाल के बोझ को समझाया। उन्होंने भारत में उपलब्ध तंबाकू के विभिन्न किस्मों, विशेषकर धुआंरहित (स्मोकलेस) तंबाकू (एसएलटी) के बारे में बताया। इसके अतिरिक्त उन्होंने तंबाकू के खतरों की रोकथाम के लिए भारत में लागू तंबाकू नियंत्रण उपायों जैसे सीओटीपीए अधिनियम-2003, किशोर न्याय अधिनियम का कार्यान्वयन, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण प्रयोगशालाओं का गठन (एनटीटीएल), विभिन्न हेल्पलाइन जैसे क्विट लाइन नंबर 1800-11-2356 (टोल-फ्री) और एम-सेसेशन प्रोग्राम (011-22901701) के लिंक के साथ तंबाकू निवारण केन्द्रों की स्थापना के माध्यम से एसएलटी और तंबाकू निवारण पर वैश्विक ज्ञान हब का गठन।

4. इसके बाद, डॉ. जे. सी. सूरी, प्रोफेसर, सफ़दरजंग अस्पताल ने तंबाकू में मौजूद रसायनों के बारे में विस्तार से बताया जिसकी वजह से इसकी लत लग जाती है जिससे कैंसर सहित विभिन्न एनसीडी होता है। उन्होंने निकोटीन की क्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया कि कैसे यह हमारे दिमाग प्रवेश करने के चंद पलों में ही हमारी तंत्रिकाओं को उत्तेजित कर आनंद प्रदान करता है जिसके कारण लत लग जाती है। उन्होंने उन कारणों के बारे में भी चर्चा की जिसके चलते इसकी शुरूआत होती है तंबाकू का निर्भरता हो जाती है। उन्होंने समझाया कि तंबाकू की प्रतिक्रिया इसकी डोज़ पर निर्भर होती है, अधिक प्रभाव के लिए डोज़ अधिक लेना पड़ता है जिसके

फलस्वरूप इसकी सहनशीलता समय के साथ बढ़ती जाती है जो तंबाकू के अधिक डोज़ की इच्छा का कारण होती है।

5. तत्पश्चात्, श्री प्रवीण सिन्हा, राष्ट्रीय परामर्शदाता, डब्ल्यूएचओ-इंडिया ने भारत में तंबाकू नियंत्रण के लिए तंबाकू एवं संबंधित उत्पादों के विज्ञापनों पर प्रतिबंध, फिल्मों में धूम्रपान वाली सीन के दौरान तंबाकू से नुकसान टैगलाइन की शुरूआत, फिल्मों में तंबाकू नियंत्रण पर 100 सेकेंड के स्लॉट की शुरूआत तथा स्कूलों से 100 गज की दूरी के अंदर तंबाकू बिक्री निषेध के माध्यम से डब्ल्यूएचओ एफसीटीसी प्रवर्तन के बारे समझाया।

6. इस आयोजन में लगभग 80-90 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। ये सत्र, संवादमूलक थे और सवाल-जवाब सत्र के दौरान प्रतिभागियों को उनके और उनके परिजनों द्वारा सामना किए जा रहे विभिन्न मसलों के बारे में विशेषज्ञों से जानकारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। तत्पश्चात्, दर्शकों के हित के लिए कार्यक्रम द्वारा विकसित लघु वीडियो क्लिप एवं ऑडियो मेसेज का प्रदर्शन किया गया।

7. इस जागरुकता अभियान को सभी प्रतिभागियों द्वारा अत्यंत सराहा गया। प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय को इस पहल के लिए धन्यवाद दिया और ऐसी ज्ञानवर्धक चर्चाओं के और आयोजन कराए जाने का अनुरोध किया।

8. तंबाकू के नुकसान को दर्शाती पोस्टर स्वरूप आइईसी सामग्री भी दर्शकों को दी गई। सभी प्रतिभागियों से अनुरोध किया गया कि वे भारत में तंबाकू नियंत्रण अभियान के प्रचार-प्रसार के दूत बनें। अंत में, संयुक्त निदेशक (आरएम) ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और उन्हें बताया कि इस क्रम में नेत्र देखभाल पर अगला सत्र दिनांक 19 जुलाई, 2018 को इसी समय और स्थान पर आयोजित किया जाएगा।

9. श्री राजीव मांझी, संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अतिथि वक्ताओं को तुलसी का पौधा भेंट किया गया। तत्पश्चात्, डॉ. तनु जैन ने सभी अतिथि वक्ताओं और प्रतिभागियों को उनके सक्रिय सहभागिता हेतु आभार व्यक्त किया।

10. इस जागरुकता सत्र को सभी ने सराहा और इस आयोजन का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

***